लागू करें। सीबीएसई बोर्ड के जितने भी स्कूल्स हैं, वे इसको अनिवार्य रूप में सुनिश्चित करें, इसके लिए निर्देश जारी कर दिए गए हैं और हम उसकी रेगुलर समीक्षा भी करते हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY): Question no. 186.

Self defence training to girls

*186. DR. SASIKALA PUSHPA RAMASWAMY: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Government is imparting any self defence training to girls of classes VI to XII studying in Government schools under any scheme across the country including the State of Tamil Nadu;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government is also imparting any self defence training to girls who do not come under purview of any formal education; and

(d) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI RAMESH POKHRIYAL 'NISHANK'): (a) to (d) A Statement is laid on the table of the House.

Statement

(a) to (d) Yes Sir. Self defence training for girls is an activity under Samagra Shiksha. Keeping in view safety and security of girls, Self defence training is imparted to girls of class VI to XII belonging to Government Schools. Fund for this purpose is provided for three months @ ' 3000/- per school per month for inculcating self-defence skills including life skill for self-protection and self-development among the girls. Self defence training is also being given in Kasturba Gandhi Balika Vidyalayas (KGBVs) which are residential schools meant for girls of Class VI to XII and belonging to disadvantaged groups.

Central Board of Secondary Education (CBSE) *vide* its circular dated 07.09.2015 has issued an advisory to the schools affiliated to it on the need for imparting self-defence training to girls in classes I-X of one week duration, twice a year.

Self defence training is regularly provided to girls students in KVs, JNVs and Schools run by Central Tibetan Schools Administration, where girls are trained in Judo, Taekwondo and Boxing etc. In KVs, inter-house competitions and tournaments of these games are conducted at Regional and National levels.

Different State Governments and organisations are organising self defence trainings for girls and women with a view to enhance safety and security of women in the country.

DR. SASIKALA PUSHPA RAMASWAMY: As per the NITI Aayog Report, 101 areas are considered to be backward regions. It creates social problems for the country. Education is one of the best solutions to remove backwardness. On this backdrop, I just want to ask our hon. Education Minister, what all steps has the Education Ministry taken to remove backwardness in these areas?

श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक': श्रीमन्, माननीय सदस्य की चिन्ता है कि पिछड़े क्षेत्र में विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा में गवर्नमेंट क्या कर रही है। मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि पिछड़े क्षेत्र में कस्तूरबा गाँधी बालिका विद्यालयों की दृष्टि से भारत सरकार ने समग्र शिक्षा के अंतर्गत जो एक अभियान चलाया है, उसमें जो वंचित एवं दूरस्थ क्षेत्र हैं, उनमें हम लोगों ने एससी, एसटी, ओबीसी, अल्पसंख्यक और गरीबी-रेखा से नीचे के वर्ग की बालिकाओं को प्राथमिकता दी है। मुझे इस बात की खुशी है कि 5,930 कस्तूरबा गाँधी स्कूल्स हैं, जिनमें 6,18,000 बालिकाओं को शिक्षा दी जा रही है। उनमें से 4,000 बीपीएल के हैं, 27,000 छात्राएँ मुस्लिम वर्ग से हैं, 29,000 छात्राएँ ओबीसी की हैं, 1,56,000 छात्राएँ एसटी की हैं, जबकि एससी की 1,75,000 छात्राएँ हैं। इनको सभी प्रकार की सुविधाएँ दी जाती हैं। उनको फ्री ड्रैस दी जाती है। श्रीमन्, उनकी सुरक्षा से लेकर हर चीज़ की व्यवस्था भारत सरकार करती है।

DR. SASIKALA PUSHPA RAMASWAMY: Girls' education is a very big challenge today.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY): Question, please.

DR. SASIKALA PUSHPA RAMASWAMY: Girl's education is a very big challenge today. So, the Ministry also has the challenge of bringing it up now. Under the new education policy, what are the measures that the Government has taken to promote girl child education?

श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक': श्रीमन्, वैसे तो बालिकाओं की शिक्षा के प्रोत्साहन के लिए, चाहे वह प्रारंभिक शिक्षा हो, माध्यमिक शिक्षा हो या उच्च शिक्षा हो, हर क्षेत्र में बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है और सबके लिए शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत तो सिर्फ बालिकाओं को ही प्राथमिकता दी जाती है। माननीय सदस्य ने जो पूछा है, उसके संबंध में मैं बताना चाहता हूँ कि नई शिक्षा नीति अभी प्रक्रिया में है और उस नई शिक्षा नीति के मसौदे में अगर इनका भी ऐसा कोई सुझाव होगा, तो उसको भी हम आमंत्रित करना चाहेंगे, लेकिन उस नई शिक्षा नीति में बहुत सारे बिन्दु ऐसे हैं, जो बालिकाओं की शिक्षा को सुदृढ़ करेंगे।

श्री प्रताप सिंह बाजवा: सर, मेरा सवाल बहुत ही सत्कार योग्य एवं मान योग्य मंत्री जी से है और यह सवाल थोड़ा-सा हटकर है। यह सवाल बच्चियों के सेल्फ डिफेंस से संबंधित है। मैं सत्कार योग्य मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि लगातार 70 साल से हम अपने नौजवान बच्चों एवं बच्चियों के लिए एनसीसी के कैम्प्स ऑर्गनाइज़ करवाते थे और उसके लिए सारा खर्चा सेंट्रल गवर्नमेंट देती थी, मगर आप

ही की सरकार ने पता नही किस कारण से, एकाध साल हुआ...

उपसभाध्यक्ष (श्री सुखेन्दु शेखर राय): आप सवाल पूछिए।

श्री प्रताप सिंह बाजवा: सर, मेरा सवाल यह है कि एनसीसी सभी को सेल्फ डिफेंस सिखाता है और लीडरशिप भी सिखाता है, जिसके बाद वे बच्चे आर्म्ड फोर्सेज़ तथा पैरा मिलिट्री फोर्सेज़ में जाते हैं। आपने अब केवल गवर्नमेंट स्कूल्स के लिए allow किया है। क्या आप प्राइवेट स्कूल्स और aided स्कूल्स को भी reconsider करेंगे? अब स्थिति यह है कि उसके लिए बच्चों को खुद फीस देनी पड़ती है और एनसीसी के सारे कैम्प्स ही हट गए हैं। सर, मेरी गुजारिश यह है कि यह खर्चा आप वापस कीजिए, so that नौजवान बच्चे व बच्चियाँ अपनी आमर्ड फोर्सेज़ के लिए और सेल्फ डिफेंस के लिए फिर से तैयार हों। यह अब केवल गवर्नमेंट स्कूल्स तक ही मौजूद रह गया है और इसको आपने प्राइवेट स्कूल्स और aided स्कूल्स में बन्द कर दिया है।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुखेन्दु शेखर राय): ठीक है, यह सजेशन है, सवाल नही है।

श्री प्रताप सिंह बाजवा: कृपा करके आप बताइए कि उनको आप reconsider करेंगे या नही?

उपसभाध्यक्ष (श्री सुखेन्दु शेखर राय): श्रीमती कहकशां परवीन।

श्री प्रताप सिंह बाजवा: महोदय ,आप मेरे सवाल का जवाब देने दीजिए।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुखेन्दु शेखर राय): मैंने आपको दो बार बोला कि आप सवाल पूछिए। आप सुझाव देने लगे।

श्रीमती कहकशां परवीन: उपसभाध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही महत्वपूर्ण विषय है, जो लड़कियों, बालिकाओं की आत्मरक्षा से जुड़ा हुआ है। लड़कियों की सुरक्षा उनके स्वाभिमान पर निर्भर करती है। मैं माननीय मंत्री जी से यह बताना चाहती हूं कि वर्ष 2012-13 की एक रिपोर्ट आयी थी, जिसमें यह बताया गया था कि 40 प्रतिशत से ज्यादा, जिन लड़कियों का रेप होता है, वह खुले में शौच करने वाली लड़कियों का होता है। उसके बाद इस देश में सरकार ने स्कूलों में 11 करोड़ टॉयलेट्स बनाने का काम किया है। मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहती हूं। ...**(व्यवधान)**...

†**محترمہ کہکشاں پروین :** اپ سبھا ادھیکش مہودے، یہ بہت ہی اہم موضوع ہے، جو لڑکیوں، بالیکاؤں کی آتم-رکشا سے جڑا ہوا ہے۔ لڑکیوں کی سرکشا ان کے سوابھیمان پر نربھر کرتی ہے۔ میں مانّئے منتری جی سے یہ بتانا چاہتی ہوں کہ سال 2012-13 کی ایک رپورٹ آئی تھی، جس میں یہ بتایا گیا تھا کہ چالیس فیصد سے زیادہ، جن لڑکیوں کا ریپ ہوتا ہے، وہ کھلے میں شوچ کرنے والی لڑکیوں کا ہوتا ہے۔ اس کے بعد اس دیش میں سرکار نے اسکولوں میں گیارہ کروڑ ٹائلیٹس بنانے کا کام کیا ہے۔ میں مانّئے منتری جی سے یہ کہنا چاہتی ہوں۔

†Transliteration in Urdu script.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुखेन्दु शेखर राय): आप सवाल पूछिए।

श्रीमती कहकशां परवीन: महोदय, आप लड़कियों के स्वास्थ्य पर भी खर्चा कर रहे हैं और जहां तक आत्मरक्षा की बात है तो मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि जो माहवारी किट मिलती है, क्या उसे आप 8वीं क्लास से लेकर 12वीं क्लास तक की लड़कियों को उपलब्ध कराएंगे? चूंकि बिहार सरकार वहां छात्राओं को उपलब्ध करा रही है। दूसरा यह कि आपके औषधि केन्द्र में यह एक रुपया प्रति पीस मिल रही है, चूंकि यह विषय लड़कियों के स्वास्थ्य से संबंधित है और इस विषय को मैं बहुत अच्छी तरह समझती हूं।

† **محترمہ کہکشاں پروین :** مہودے، آپ لڑکیوں کے سواستھ پر بھی خرچہ کر رہے ہیں اور جہاں تک آتم-رکشا کی بات ہے تو میں آپ کے مادھیم سے مانئے منتری جی سے یہ جاننا چاہتی ہوں کہ جو ماہواری-کٹ ملتی ہے، کیا آپ آٹھویں کلاس سے لے کر بارہویں کلاس تک کی لڑکیوں کو مہیّا کرائیں گے؟ چونکہ بہار سرکار وہاں لوگوں کو مہیّا کرا رہی ہے۔ دوسرا یہ کہ آپ کے اوشدھی کاریالے میں یہ ایک روپیہ ایک پیس پر مل رہی ہے، چونکہ یہ وشئے لڑکیوں کے سواستھ سے سمبندھت ہے اور اس وشئے کو میں بہت اچھی طرح سمجھتی ہوں۔

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY): One second. Hon. Members, as you know, I need not repeat that supplementary questions should be pointed questions; no preface or prelude. Please, Mr. Minister.

श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' : श्रीमन्, मैं जितना समझ पाया हूं कि बालिकाओं की सुरक्षा की दृष्टि से गवर्नमेंट जो काम कर रही है, मैं माननीय सदस्य को आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूं कि स्वयं सुरक्षा, आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए भारत सरकार ने एक योजना बनायी है और संबंधित राज्यों को बालिकाओं की सुरक्षा की दृष्टि से...

श्रीमती कहकशां परवीन: महोदय, मेरा सवाल सुरक्षा और स्वास्थ्य, दोनों से ही जुड़ा हुआ है।

† **محترمہ کہکشاں پروین :** مہودے، میرا سوال سرکشا اور سواستھ، دونوں سے ہی جڑا ہوا ہے۔

श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक': श्रीमन्, मैं सुरक्षा और स्वास्थ्य दोनों की बात कर रहा हूं। पहले मैं सुरक्षा की बात कर लूं। महोदय, बालिकाओं की सुरक्षा के लिए गवर्नमेंट बहुत चौकस है और संवेदनशील है। महोदय, मुझे खुशी है लगभग 36 राज्यों में प्रति माह 3,000 रुपये लगातार तीन माह तक और प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस समय 2 लाख, 61 हज़ार, 960 छात्राओं को आत्मरक्षा का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 36 राज्यों को इस वर्ष 220 करोड़ रुपये जारी हुए हैं। श्रीमन्, मैं अभी देख रहा था कि माननीय सदस्या जिस प्रदेश से आती हैं, चाहे तमिलनाडु हो और विभिन्न प्रदेशों में...

†Transliteration in Urdu script.

उपसभाध्यक्ष (श्री सुखेन्दु शेखर राय): वे तमिलनाडु से नही आती हैं, बिहार से आती हैं।

श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक': श्रीमन्, तमिलनाडु से मूल प्रश्न था, लेकिन तमिलनाडु सहित देश के विभिन्न राज्यों ने अपने यहां पाठ्यक्रम में भी उसको सुनिश्चित किया है और जहां तक माननीय सदसस्या का प्रश्न है, सर्वशिक्षा अभियान के तहत सबके लिए वे सब चीज़ें समाहित होती हैं, जो उनकी शंका है।

श्रीमती कान्ता कर्दम : महोदय, मेरा प्रश्न कस्तूरबा गांधी पब्लिक विद्यायल से संबंधित है। ऐसे कई विद्यालय हैं, जिनके बारे में मैं जानती हूं। वहां जो बच्चे शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं और स्कूल्स से बहुत उम्मीद रखते हैं, वहां कई ऐसे देती स्कूल्स भी हैं, जिनमें बालिकाओं का शोषण हो रहा है। टीचर्स ज्यादा ध्यान नही देती हैं। अगर आप पूछेंगे, तो मैं उस जगह का नाम भी बता दूंगी।

उपसभाध्यक्ष (श्री सुखेन्दु शेखर राय): आप सवाल पूछिए।

श्रीमती कान्ता कर्दम: महोदय, मेरा सवाल यह है कि बालिकाओं की सुरक्षा और उनकी शिक्षा पर ध्यान दिया जाए, इसके लिए सरकार ने ऐसे क्या इंतज़ाम कर रखे हैं? मंत्री जी से मेरा सवाल है कि कया स्कूल्स में कोई निरीक्षण करने के लिए जाता है?

श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक': श्रीमन्, लगातार निरीक्षण भी होता है और माननीय सदस्य ने जो चिता व्यक्त की है, उसे देखा भी जाता है। इसलिए 'निष्ठा' जो एक बहुत बड़ा कार्यक्रम है, जिसमें 42 लाख अध्यापकों को प्रशिक्षित करने का अभियान है, उसमें निष्ठा कार्यक्रम के तहत इस बात को विशेष कर रखा गया है कि अध्यापकों में उस संवेदनशीलता को जगाया जाए और उस अनुशासन को हर कीमत पर बनाए रखा जाए। जहां तक सुरक्षा का सवाल है। श्रीमन्, विद्यालय स्तर पर जूडो, बॉक्सिंग और तमाम प्रकार के राष्ट्रीय खेल हैं। और आत्मरक्षा से संबंधित बहुत सारे खेलों को हमने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है और हम इसे ताकत के साथ लागू भी कर रहे हैं।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY): Question No. 187.

Reasons for change of GDP base year

*187. DR. SANTANU SEN: Will the Minister of STATISTICS AND PROGRAMME IMPLEMENTATION be pleased to state:

(a) the specific reasons as to why the base year of GDP is being changed once again;

(b) a detailed analysis of the fall in consumer expenditure, year-wise, during the past three years; and

(c) the details of steps being taken to revive it?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF STATISTICS AND PROGRAMME IMPLEMENTATION (SHRI RAO INDERJIT SINGH): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.